मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–001

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम. ए. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.वी.एस.-001 : वेद-वेदांग परिचय

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी* ***अथवा*** *संस्कृत में से किसी एक भाषा में दिये जा सकते हैं।*

खण्ड—क

निर्देश:—*निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. 'वेद' शब्द का क्या अर्थ है ? ऋषि तत्त्व के उल्लेख के साथ वैदिक शाखाओं का वर्णन कीजिए।

2. ऋग्वेद तथा यजुर्वेद संहिता का परिचयात्मक वर्णन प्रस्तुत कीजिए।
3. सामवेद के प्रतिपाद्य का वर्णन कीजिए।
4. पठित अंश के आधार पर ब्राह्मण साहित्य का वर्णन कीजिए।
5. ब्राह्मण ग्रन्थों के स्वरूप का वर्णन करते हुए प्रतिपाद्य विषय का उल्लेख कीजिए।
6. ब्राह्मण ग्रन्थों के वेदता का आधार क्या है ? वर्णन प्रस्तुत कीजिए।
7. कृष्ण यजुर्वेदीय आरण्यकों का स्वरूप एवं प्रतिपाद्य लिखिए।
8. प्रवर्ग्य कर्म का विस्तार से निरूपण कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश:—*निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. दार्शनिक अवधारणा के आधार पर आरण्यकों के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
2. पठित अंश के आधार पर सभी वेदों से सम्बद्ध उपनिषदों की संख्या का वर्णन कीजिए।

3. कठोपनिषद् का संक्षिप्त प्रतिपाद्य लिखिए।

4. केनोपनिषद् में क्या बताया गया है ? वर्णन कीजिए।

5. उपनिषदों के आधार पर आत्मविद्या का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

6. पाणिनीय शिक्षा तथा गौतमी शिक्षा के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

7. व्याकरण की परम्परा में त्रिमुनि कौन हैं ? उल्लेख कीजिए।

8. निरुक्त का क्या प्रयोजन है ? पठित अंश के आधार पर निरुक्त का वर्णन कीजिए।

× × × × ×